राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एवं अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 25 अप्रैल 2026

वर्ष 14, अंक 16, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार...03

नकाब लगाकर हमला, कैसे होर्मुज में भारतीय जहाज ईरान ने किया कब्ज़ा...12

महाराष्ट्र में बीएपीएस स्वामिनारायण मंदिर की हुई प्राण-प्रतिष्ठा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी शुभकामनाएं

महाराष्ट्र के पालघर जिले के दुर्वेस में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर का भव्य मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे आस्था, सेवा और संस्कार का केंद्र बताया. यह मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक उत्थान का महत्वपूर्ण पर्व है, जो युवाओं को सही दिशा व सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र के पालघर जिले के दुर्वेस गांव में बीएपीएस स्वामिनारायण मंदिर का भव्य मूर्तिप्रतिष्ठा महोत्सव आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के बीच अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ. यह अवसर केवल एक मंदिर के उद्घाटन का नहीं, बल्कि समाज के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक उत्थान का एक महत्वपूर्ण पर्व बनकर उभरा, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुभकामनाएं दी और कहा कि यह मंदिर आने वाले समय में न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार, सद्भाव और एकता का संदेश और अधिक सुदृढ़ करेगा। सुबह के पावन वातावरण में वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञ की दिव्य आहुतियों के साथ मूर्ति प्रतिष्ठा के पवित्र अनुष्ठान संपन्न हुए, जहां संतों की गरिमामयी उपस्थिति और श्रद्धालुओं की आस्था ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया. दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण के साक्षी बनकर अपने जीवन में एक दिव्य अनुभव प्राप्त किया।

शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों के प्रसार पर जोर

बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था, जो विश्वभर में अपने मंदिरों, संस्कार केंद्रों और सेवा कार्यों के लिए जानी जाती है, ने एक बार फिर महाराष्ट्र की इस पावन भूमि पर एक ऐसा आध्यात्मिक केंद्र स्थापित किया है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा. यह मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और समाज निर्माण का एक सशक्त केंद्र है, जहां से चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक जीवन दृष्टि की प्रेरणा निरंतर प्रवाहित होगी।

कार्यक्रम के दौरान संतों ने अपने प्रेरणादायी संदेशों में समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों के प्रसार पर जोर दिया, साथ ही युवाओं को संस्कार, अनुशासन, नशामुक्ति और समाज सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. आज के बदलते समय में, जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब ऐसे आध्यात्मिक केंद्र युवाओं को एक सही दिशा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं।

आध्यात्मिक-सांस्कृतिक उत्थान का एक महत्वपूर्ण पर्व: फडणवीस

दुर्वेस गांव में बीएपीएस स्वामिनारायण मंदिर के भव्य मूर्तिप्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी. उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि आज का यह अवसर केवल एक मंदिर के उद्घाटन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक उत्थान का एक महत्वपूर्ण पर्व है।

सीएम फडणवीस ने कहा कि किसी राज्य की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं हो सकती. बल्कि उसकी असल पहचान उसके संस्कारों, मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना से होती है. ऐसे दिव्य मंदिर उसी चेतना को जागृत करते है. बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था ने भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में अपने मंदिरों और सेवा कार्यों के माध्यम से एक अद्वितीय पहचान बनाई है. यह मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं है, बल्कि यह समाज निर्माण, चरित्र निर्माण और सेवा भावना का केंद्र है. उन्होंने कहा कि विशेष प्रसन्नता है कि महाराष्ट्र की इस पावन भूमि पर पालघर जैसे क्षेत्र में यह भव्य मंदिर निर्मित हुआ है. यह मंदिर निश्चित रूप से स्थानीय समाज, युवाओं और पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा. इस अवसर पर महंत स्वामी महाराज, पूज्य भक्तिप्रिय स्वामीजी तथा सभी संतों के प्रति हृदय से गहन आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महाराष्ट्र की जनता को एक सुंदर मंदिर भेंट के लिए उपहार दिया है. यह मंदिर आने वाले मंदिर में सद्भाव, सेवा और एकता की भावना को और मजबूत करेगा।

सामाजिक और मानवीय सेवा कार्यों की झलक

इस महोत्सव के दौरान बीएपीएस द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक और मानवीय सेवा कार्यों की भी झलक देखने को मिली, जो समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर उनके जीवन में सार्थक परिवर्तन ला रहे हैं। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के दिव्य आशीर्वाद तथा पूज्य भक्ति प्रिय स्वामी और संतों के मार्गदर्शन में निर्मित यह भव्य मंदिर महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. स्थानीय नागरिकों में इस अवसर को लेकर विशेष उत्साह और आनंद का वातावरण देखने को मिला, जहां हर चेहरे पर श्रद्धा और संतोष की झलक स्पष्ट दिखाई दी. यह मंदिर आने वाले समय में न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार, सद्भाव और एकता का संदेश और अधिक सुदृढ़ करेगा।

एम्स में चैटजीपीटी से एग्जाम दे रहे थे भविष्य के डॉक्टर, नीट के टॉपरों के कांड से मचा हड़कंप; परीक्षा कैंसिल

- एम्स में एमबीबीएस छात्र एआई से नकल करते पकड़े गए
- बायोकेमिस्ट्री परीक्षा रद्द कर उसी दिन दोबारा आयोजित हुई
- प्रशासन ने नकलची छात्रों पर कार्रवाई पर चुप्पी साधी है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में पढ़ रहे नीट के मेधावी एमबीबीएस छात्रों को बायोकेमिस्ट्री परीक्षा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से नकल करते पकड़े गए। एम्स प्रशासन का मानना है कि यह सभी शौचालय में एआई टूल चैटजीपीटी पर प्रश्नपत्र अपलोड कर उससे मिले उत्तर का उपयोग प्रश्न पत्र हल करने में कर रहे थे।

एक सप्ताह पहले हुई इस घटना में एम्स प्रशासन ने परीक्षा को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर उसी दिन दोबारा आयोजित कराया। पर, उसने इस मामले में अब तक किसी भी आरोपित छात्र पर कोई कार्रवाई नहीं, इस पर एम्स प्रशासन की चुप्पी प्रश्न खड़े कर रही है।

यह मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि एम्स में पढ़ने वाले छात्र राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास कर पहुंचते हैं और उन्हें देश के सबसे मेधावी छात्रों में गिना जाता है।

इतने बड़े संस्थान में वह भी ऐसे छात्रों के बीच जो कठिन प्रतिस्पर्धा पार कर यहां तक पहुंचे हैं, उनके एआई से नकल करना चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, परीक्षा प्रणाली और नैतिक मूल्यों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। तकनीक के इस दुरुपयोग को रोकने की नई चुनौती एम्स की शिक्षा-परीक्षा व्यवस्था के सामने खड़ी कर दी है।

शौचालय बना 'हाई-टेक नकल केंद्र'

एम्स प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान कई छात्रों (करीब 50) ने बार-बार शौचालय जाने की अनुमति मांगी, जिससे ड्यूटी पर मौजूद शिक्षकों को संदेह हुआ। जांच में सामने आया कि शौचालय में पहले से मोबाइल फोन छिपाकर रखा गया था।

छात्र शौचालय में जाकर प्रश्नपत्र 'चैटजीपीटी' पर अपलोड कर उत्तर प्राप्त कर रहे थे। मामला तब उजागर हुआ जब एक छात्र का मोबाइल शौचालय में छूट गया और उसके आधार पर पूरी गतिविधि सामने आ गई।

एम्स का पक्ष, लेकिन कार्रवाई पर चुप्पी

एम्स की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रीमा दादा ने बताया कि यह घटना एक सप्ताह पहले की है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मामला संज्ञान में आया, संबंधित अधिकारियों को सूचित कर चल रही परीक्षा को तत्काल निरस्त किया गया और उसे उसी दिन पुनः आयोजित कराया गया। हालांकि, नकल में शामिल छात्रों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, इस पर संस्थान की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

यूपी की 12 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों को लेकर बड़ा अपडेट, 300 एकड़ के कब्रिस्तान और मस्जिदें पोर्टल में कैंसिल

लखनऊ। उम्मीद पोर्टल में प्रदेश से दर्ज की गई वक्फ संपत्तियों की जांच में 12 हजार से अधिक पंजीकरण निरस्त कर दिए गए हैं। अधिकतर मामलों में डाटा एंट्री में त्रुटियां और आधे-अधूरे दस्तावेज अपलोड करना है। अब इन संपत्तियों का विवरण दोबारा पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि पांच जून है। निरस्त किए गए पंजीकरणों की सूची में सबसे अधिक मामले लखनऊ के हैं जहां 1,114 वक्फ संपत्तियां हैं। इसके बाद बिजनौर है जहां 1,003 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण निरस्त किया गया है। सहारनपुर की 990, बाराबंकी की 577 और अमरोहा की 85 संपत्तियां शामिल हैं। बागपत की 60 और बरेली की 17 संपत्तियों के पंजीकरण निरस्त किया गया है।

छोटी मस्जिद से लेकर 300 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले बड़े कब्रिस्तान तक शामिल

सूत्रों के मुताबिक, प्रभावित संपत्तियों में छोटी मस्जिदों की जमीन से लेकर 300 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले बड़े कब्रिस्तान तक शामिल हैं। जांच में सबसे अधिक खारिज मामले कब्रिस्तानों से जुड़े पाए गए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर मस्जिदों के पंजीकरण हैं। इसके अलावा मदरसे, ईदगाह, इमामबाड़ा, दरगाह और आय अर्जित करने वाली संपत्तियां भी इस कार्रवाई से प्रभावित हुई हैं। वक्फ बोर्ड के अनुसार उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया जारी है और इसकी अंतिम तिथि छह जून है। जिन वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण खारिज किए गए हैं उन्हें पांच जून तक सही जानकारी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ दोबारा अपलोड करना होगा। सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधीन 1.26 लाख से अधिक वक्फ संस्थान हैं। यह पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिसे पिछले वर्ष जून में वक्फ संपत्तियों का डिजिटल रिकार्ड तैयार करने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

जमानत मंजूर कराने के लिए रीडर ले रहा था 30 हजार, सीबीआई ने रंगे हाथ पकड़ा

- सीबीआई ने दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में रीडर संजीव सदाना को 30,000 की रिश्वत मांगते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी जमानत अर्जी मंजूर करवाने के बदले 20 हजार की पहली किस्त लेते हुए हुई

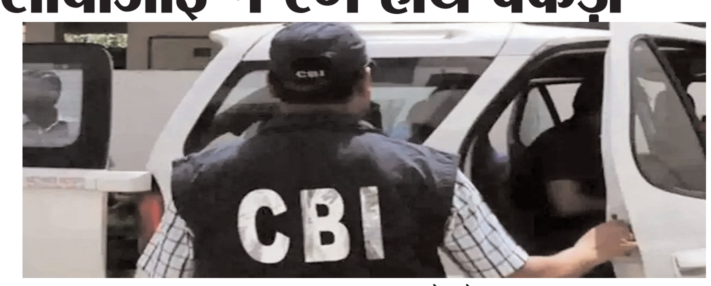

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीबीआई ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में एक रीडर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. आरोपी ने एक वकील के मुवक्किल की जमानत अर्जी मंजूर करवाने के बदले 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 23 अप्रैल 2026 को तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली में तैनात एक रीडर के खिलाफ मामला दर्ज किया है. यह मामला एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपी ने जमानत के बदले मांगे 30 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी रीडर ने एक महिला के मुवक्किल की जमानत अर्जी मंजूर करवाने के लिए उससे 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. शिकायत मिलते ही सीबीआई ने एक जाल बिछा, आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा है।

पहली किस्त लेते हुए ही पकड़ में आया

सीबीआई ने इंपुट के आधार पर 23 अप्रैल 2026 रीडर को रंगे हाथों पकड़ने के लिए पूरा प्लान बना लिया. जब आरोपी की शिकायतकर्ता रिश्वत की पहली किस्त 20 हजार रुपये देने पहुंचा तभी सीबीआई ने उसे पकड़ लिया. आरोपी रंगे हाथ सीबीआई के हत्थे चढ़ गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

कौन है रिश्वत लेने वाला आरोपी का नाम?

गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम संजीव सदाना है. वह तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली के एएसजे-02 (अपर सेशन जज) के रीडर (वाचक) के पद पर तैनात था. इस मामले के सामने आने के बाद न्याय पालिका में हो रही इस धांधली पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं. साथ ही सवाल ये भी उठ रहा है कि कहीं जज भी इस खेल में शामिल तो नहीं है. आरोपी को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है और आगे की पूछताछ की जा रही है. उम्मीद जताई जा रही है कि आगे कोर्ट के अंदर चल रहे रिश्वतखोरी के धंधे पर और भी खुलासे हो सकते हैं।

लखनऊ में सिपाही को मारा थप्पड़ और दी गालियां, फिर बीच सड़क पर किया खूब हंगामा

लखनऊ। पिकेडली तिराहे पर अज्ञात कार सवार ने ड्यूटी में लगे यातायात सिपाही के हाथ में जोरदार थप्पड़ मारा। हमले से सिपाही का मोबाइल नीचे गिर गया। विरोध पर गाली गलौज की गई। इसके बाद कार सवार सड़क पर गाड़ी खड़ी कर खुद ही वीडियो बनाने लगे। फिर गाड़ी मोड़ कर उसके ऊपर चढ़ाने का प्रयास किया। पीड़ित ने सरकारी कार्य में बाधा, लापरवाही, सरकारी कर्मचारी को डराने-धमकाने की धारा में कृष्णा नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत में सिपाही हीरालाल ने बताया कि 22 अप्रैल को उनकी ड्यूटी पिकेडली तिराहे पर लगी थी। वह हाथ के संकेतों से ट्रैफिक चलवा रहे थे। बारा बिरवा चौराहे की तरफ से आने वाले यातायात को रोका गया। इसी बीच एक कार सवार नियम तोड़ते हुए आगे बढ़ गया। मना करने पर वह रुका नहीं और हाथ में जोरदार थप्पड़ मार दिया। हमले से सिपाही का मोबाइल नीचे गिर गया। कार सवार ने गाड़ी आगे बढ़ाकर खड़ी कर दी और वीडियो बनाने लगा। मना करने के बावजूद उसने बीच सड़क पर गाड़ी तिरछी कर के रोक दी जिससे यातायात बाधित हो गया। सिपाही ने गाड़ी हटाने को कहा तो उस पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। यह देख आरोपित मौके से फरार हो गया।

तरुण हत्याकांड के बाद उत्तर नगर में डर का माहौल, 'मकान बिकाऊ है' के पोस्टर लगे; महिलाएं अब भी कर रहीं हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली। उत्तम नगर इलाके में हुए तरुण हत्याकांड के घाव अब भी हरे हैं। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी कॉलोनी में कुछ जगहों पर पसरा सन्नाटा और जगह-जगह लगे पुलिस बैरिकेड्स इस बात को बयां करते हैं कि हालात अभी भी सामान्य नहीं हुए हैं। सबसे ज्यादा तनाव उस गली में है, जहां मृतक तरुण का परिवार रहता है, क्योंकि इसी गली में आरोपित पक्ष का भी घर है। तनाव का आलम यह है कि गली के कई घरों पर 'मकान बिकाऊ है' के पोस्टर लग गए हैं, जो स्थानीय लोगों के भीतर व्याप्त डर और असुरक्षा की भावना को साफ दर्शाते हैं।

बैरिकेड्स के बीच डर का पहरा

तरुण की गली के दोनों सिरों पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं। आवाजाही पर सख्त नजर रखी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद पीड़ित परिवार खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। घरों के बाहर लगे 'बिकाऊ' के पोस्टर यह बताते हैं कि लोग अब इस माहौल से दूर कहीं और सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं।

महिला पुलिस की तैनाती की मांग

इस मामले में पीड़ित पक्ष के वकील सुमित चौहान ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए एक नई मांग रखी है। उनका कहना है कि आरोपित परिवार के सदस्य अब भी गली में हंगामा करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

वकील चौहान के अनुसार, इसी महीने की 13 तारीख को आरोपित पक्ष की महिलाओं ने गली में जमकर हंगामा किया था। वकील ने कहा कि हंगामा करने वाली महिलाएं थीं, तो ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गली में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती अनिवार्य है। क्योंकि इस बात का पूरा अंदेशा है कि आरोपित पक्ष की महिलाएं खुद को पीड़ित दिखाकर उन पर छेड़छाड़ या अन्य धाराओं में पीड़ित पक्ष पर झूठे आरोप लगा सकती हैं। ऐसे में गली में 24 घंटे महिला पुलिसकर्मियों की शिफ्ट लगाई जानी चाहिए।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' नहीं की जाएगी रिलीज, केंद्र सरकार ने लगाई रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। जी5 ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष कहा कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर बनाई गई उसकी एक डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' के प्रसारण पर केंद्र सरकार ने रोक लगाई है। जी5 ने यह जवाब इस सीरीज के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग को लेकर लॉरेंस बिश्नोई ने याचिका दायर की है। 27 अप्रैल को यह सीरीज ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रसारित होने वाली थी। जी5 ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें प्रसारण न करने की सलाह दी गई है। जी5 के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने याचिका पर सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी।

एक केस स्टडी के तौर पर बनाई गई है सीरीज

जी5 के अनुसार इस सीरीज में एक अपराधी की पहचान से लेकर उसकी छात्र राजनीति, संगीत, विचारधारा और मीडिया प्रचार के माहौल में एक केस स्टडी के तौर पर पेश किया गया है। लॉरेंस बिश्नोई वर्तमान में गुजरात की एक जेल में बंद है और उस पर गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से लेकर कई आपराधिक मामले चल रहे हैं। इससे पहले, पंजाब पुलिस ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि ज़ी5 को बिश्नोई पर बनी डॉक्यू-सीरीज का प्रसारण न करने का निर्देश दें, क्योंकि इससे कानून-व्यवस्था को गंभीर खतरा हो सकता है।

मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर 3.99 लाख की ठगी, तीन पर केस दर्ज

» शिवम वर्मा से मर्चेंट नेवी नौकरी के नाम पर ठगी।

» आरोपियों ने 3.99 लाख रुपये ऑनलाइन ठगे।

» तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज।

सरोजनी नगर। मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 3.99 लाख रुपये ठग लिए गए। औरंगाबाद जागीर निवासी पीड़ित शिवम वर्मा ने बताया कि परिचित राधा गौतम ने उनकी मुलाकात विनायक प्रजापति से कराई थी। विनायक ने अपनी ऊंची पहुंच का हवाला दिया फिर मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। बातों में लेकर कई बार में 3.99 लाख रुपये आनलाइन ले लिए। रुपये लेने के बावजूद नियुक्ति पत्र नहीं दिया। कुछ दिन बाद शिवम को मुंबई बुलाया गया। वह मुंबई पहुंचे लेकिन कई दिन भटकने पर भी वहां कोई नहीं मिला। आरोपितों ने अपने नंबर भी बंद कर लिए। पीड़ित ने किसी तरह संपर्क कर रुपये मांगे तो उसे धमकाया गया। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने राधा, विनायक प्रजापति और शंभू प्रजापति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर बिजनौर कपिल गौतम ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

मुंबई में एक बार फिर हिंदी बनाम मराठी विवाद, मनसे कार्यकर्ताओं ने निरुपम को कहा GO Back

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई में ऑटो चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने पर विवाद छिड़ गया है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने इसका पुरजोर विरोध किया, जिस दौरान दहिसर में मनसे कार्यकर्ताओं से उनकी झड़प हो गई. पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति संभाली।

मुंबई में एक बार फिर हिंदी और मराठी भाषा को लेकर तनाव शुरू हो गया है. शिवसेना नेता संजय निरुपम और मनसे कार्यकर्ताओं के बीच दहिसर इलाके में सीधी झड़प देखने मिली है. विवाद की जड़ महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का वह आदेश है, जिसमें मीरा-भायंदर में ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में बोलने, लिखने और पढ़ने को जरूरी कर दिया गया है।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के इस आदेश का पुरजोर विरोध किया है. निरुपम का कहना है कि सिर्फ ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी जरूरी करना गलत है. उन्होंने मंत्री को पत्र लिखकर इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

ऑटो चालकों से मिलने पहुंचे संजय निरुपम

इसी सिलसिले में संजय निरुपम आज मुंबई के दहिसर इलाके में कुछ ऑटो चालकों से मिलने पहुंचे थे. इसी दौरान वहां मनसे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना) के कार्यकर्ता पहुंच गए और निरुपम के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

मनसे कार्यकर्ता 'निरुपम गो बैक' और 'एक ही भाषा मराठी भाषा' के नारे लगाते रहे. मौके पर पहले से ही भारी पुलिस बल मौजूद था, जिसने दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को काबू में किया. पुलिस ने संजय निरुपम को सुरक्षित बाहर निकाला. फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं और पुलिस ने कुछ मनसे कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया है।

युबिटी प्रवक्ता का बयान

इस पूरे विवाद पर युबिटी प्रवक्ता आनंद दुबे ने ट्वीट और वीडियो जारी कर अपनी राय रखी. उन्होंने कहा, 'हम मराठी भाषा के सम्मान में आपके सामने खड़े हैं. महाराष्ट्र में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को मराठी बोलना और समझना जरूर आना चाहिए. हम इसका पुरजोर समर्थन करते हैं.'

उन्होंने आगे सवाल करते हुए लिखा, 'तो क्या सचमुच महाराष्ट्र में रहने वाले सभी नागरिकों (उद्योगपति, कॉर्पोरेट जॉब करने वाले, फिल्मी कलाकार, क्रिकेटर, IAS/IPS अधिकारी) को मराठी बोलनी और समझनी आती है? अगर नहीं, तो सिर्फ टैक्सी और रिक्शा चालकों के साथ यह व्यवहार क्यों?' **अब स्थिति कैसी है?**

पुलिस मौके पर तैनात है और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. देखना यह होगा कि मंत्री प्रताप सरनाईक निरुपम के पत्र और इस बढ़ते विवाद के बाद अपने आदेश में कोई बदलाव करते हैं या नहीं।

साधारण जन से असाधारण शासन तकः पंचायती राज की नई परिभाषा

जड़ों से उठता बदलावः जब गाँव बनते हैं विकास के निर्माता

सत्ता का नया मानचित्रः पगडंडियों से तय होती विकास की दिशा

जब गाँव की धूल भरी पगडंडी पर बैठा किसान निडर होकर अपनी बात रखता है और उसी स्वर से विकास की दिशा आकार लेने लगती है, तब लोकतंत्र अपनी सबसे जीवंत और वास्तविक पहचान में सामने आता है। 24 अप्रैल उस ऐतिहासिक व्यवस्था का प्रतीक बनकर सामने आता है जिसने सत्ता को बड़े दफ्तरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गाँव की खुली चौपालों तक पहुँचा दिया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस यह संदेश देता है कि भारत की असली शक्ति ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि उन ग्राम सभाओं में बसती है जहाँ लोग अपने भविष्य का निर्णय स्वयं करते हैं। यह दिन उस सोच का सम्मान है जिसने यह सिद्ध किया कि शासन केवल ऊपर से नहीं चलता, बल्कि नीचे की सक्रिय भागीदारी से और अधिक मजबूत होता है।

1992 में पारित 73वें संविधान संशोधन ने, जो 24 अप्रैल 1993 को प्रभावी हुआ, ग्रामीण भारत के इतिहास में ऐसा निर्णायक परिवर्तन लेकर आया, जिसने पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देकर उन्हें वास्तविक अधिकारों से सशक्त बनाया। इसके बाद गाँव केवल योजनाओं के उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे स्वयं निर्णय निर्माण की मुख्य इकाइयाँ बन गए। सड़क निर्माण, जल प्रबंधन, विद्यालय सुधार और विकास योजनाओं की दिशा अब ग्राम सभा में तय होने लगी। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि जनभागीदारी को वास्तविक शक्ति देने वाली व्यवस्था थी। इससे ग्रामीण समाज को अपने संसाधनों और आवश्यकताओं को पहचानने तथा स्वयं निर्णय लेने का अवसर मिला, जिससे विकास अधिक व्यावहारिक और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बन गया। पंचायती राज व्यवस्था की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है, जिसने ग्रामीण समाज की कार्यशैली को गहराई से बदल दिया है। आरक्षण प्रणाली ने महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देकर उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में स्थापित किया है। आज 14 लाख से अधिक महिलाएँ सरपंच और पंचायत सदस्य के रूप में अपने गाँवों का नेतृत्व कर रही हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन केवल पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सोच में आए व्यापक बदलाव का संकेत है। जहाँ कभी उनकी भूमिका सीमित समझी जाती थी, वहीं अब वही महिलाएँ विकास की दिशा तय कर रही हैं और नए उदाहरण स्थापित कर रही हैं।

डिजिटल क्रांति ने पंचायती राज व्यवस्था को नई पारदर्शिता और गति प्रदान करते हुए उसे अधिक प्रभावशाली बना दिया है। ई-ग्राम स्वराज, ऑनलाइन बजट निगरानी और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने पंचायतों के कार्यों को सरल, तेज़ और अधिक जवाबदेह बना दिया है। अब गाँव के लोग अपने मोबाइल फोन पर आसानी से देख सकते हैं कि विकास कार्यों के लिए कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग कहाँ किया गया। इससे जानकारी तक पहुँच आसान हुई है और लोगों की भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। तकनीक ने दूरी की बाधाओं को समाप्त कर प्रशासन को अधिक तेज़ और सटीक बनाया है। ग्रामीण क्षेत्र अब केवल पारंपरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे आधुनिक डिजिटल प्रणाली का सक्रिय हिस्सा बन चुके हैं।

उपलब्धियों के साथ-साथ पंचायती राज व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। कई क्षेत्रों में पंचायतें अब भी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और बाहरी दबाव उनकी भूमिका को सीमित कर देते हैं। कुछ स्थानों पर ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक बनकर रह जाती है, जहाँ वास्तविक चर्चा और निर्णय प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी भी कई इलाकों में बाधा बनी हुई है। फिर भी इसके विपरीत अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ पंचायतें पारदर्शिता और सक्रिय जनभागीदारी के बल पर विकास की नई और प्रेरक मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब दुनिया तेज़ी से सतत विकास और स्थानीय शासन की ओर अग्रसर है, तब पंचायती राज व्यवस्था की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में स्थानीय निर्णय प्रणाली अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। अनेक गाँव सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय स्तर पर लिए गए निर्णय अधिक व्यावहारिक, सटीक और परिणामकारी होते हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्र अब केवल उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे नवाचार और परिवर्तन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं।

जवाबदेही और समीक्षा का एहसास कराता राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस केवल जश्न का अवसर नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या गाँवों को वास्तव में वह अधिकार, स्वतंत्रता और संसाधन मिले हैं जिनकी कल्पना की गई थी। क्या ग्राम सभा केवल कागज़ों तक सीमित है या सच में निर्णय लेने का सशक्त और सक्रिय मंच बन चुकी है? इन सवालों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे। फिर भी यह स्पष्ट है कि जहाँ पंचायतें सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह हैं, वहाँ विकास की रफ्तार अधिक तेज़ और प्रभावशाली होती है। यही व्यवस्था लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर ठोस मजबूती प्रदान करती है। नए विश्वास और मजबूत संकल्प का संदेश देता यह दिवस उस भारत की स्पष्ट और प्रेरक तस्वीर सामने रखता है जो अपने गाँवों की ताकत पर खड़ा होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह उन लोगों को सम्मान देता है जो बिना शोर किए अपने गाँवों में बदलाव की नई इबारत लिख रहे हैं। यह स्मरण कराता है कि वास्तविक और स्थायी विकास वही है जो गाँव की गलियों से शुरू होकर पूरे देश को मजबूती प्रदान करता है। पंचायती राज केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि वह सशक्त माध्यम है जो हर नागरिक को निर्णय प्रक्रिया से जोड़ते हुए भारत को अधिक मजबूत, संतुलित और प्रगतिशील बनाता है।

कृति आरके जैन

संपादकीय

शांति वार्ता विफल, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़े विस्फोट की आशंका

पाकिस्तान त्रिशंकु बन लटक रहा है।

पश्चिम एशिया की तपती रेत पर एक बार फिर बारूद की गंध तेज हो गई है, और इस बार केंद्र में है अमेरिका,ईरान,इजरायल का जटिल त्रिकोण, जिसमें पाकिस्तान एक ऐसे संदेशवाहक की भूमिका में फँसता दिख रहा है जो न पूरी तरह किसी का हो पाया और न ही अपने घर की हालत संभाल पाया। हार्मुज़ जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र माना जाता है, इस संभावित टकराव का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। यहां से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर ज़रा-सी चिंगारी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में विस्फोट कर सकती है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए सीधा खतरा मानता है और समय-समय पर ईरानी ठिकानों पर हमले करता रहा है। हाल के महीनों में घटनाओं की श्रृंखला ने तनाव को और अधिक तीखा कर दिया है। लाल सागर में जहाजों पर हमले, सीरिया और इराक में मिलिशिया गतिविधियाँ, और गाज़ा संघर्ष के बाद बढ़ा हुआ क्षेत्रीय असंतुलन,इन सबने हालात को विस्फोटक बना दिया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने खुद को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे देश ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की मेहमाननवाज़ी के लिए महंगे होटलों और सुरक्षा इंतजामों पर भारी खर्च किया, जिसका बोझ आखिरकार उसकी आम जनता पर टैक्स और महंगाई के रूप में पड़ा, और यही कारण है कि देश के भीतर असंतोष की लहर तेज हो गई है। पाकिस्तान की यह स्थिति घर का न घाट जैसी हो गई है। एक ओर वह अमेरिका को खुश रखने की कोशिश करता है, दूसरी ओर ईरान जैसे पड़ोसी को नाराज़ भी नहीं करना चाहता, और इसी संतुलन की कोशिश में उसकी आंतरिक आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर और जर्जर हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हालिया बयानों में स्पष्ट संकेत दिया है कि अमेरिका क्षेत्र में अपने हितों और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है, और यदि ईरान ने उकसावे वाली गतिविधियाँ बंद नहीं कीं तो कठोर जवाब दिया जाएगा। यह बयान सीधे तौर पर सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं करता बल्कि उसे एक रणनीतिक विकल्प के रूप में खुला रखता है। दूसरी ओर ईरान का रुख भी उतना ही सख्त है तेहरान का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यदि उसके हितों पर हमला हुआ तो जवाब निर्णायक और व्यापक होगा। ईरानी नेतृत्व बार-बार यह दोहरा रहा है कि हार्मुज़ जलडमरूमध्य उसकी रणनीतिक पकड़ में है और जरूरत पड़ने पर वह वैश्विक तेल आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जो दुनिया के लिए एक भयावह संकेत है। इस पूरे समीकरण में इजरायल की भूमिका भी बेहद आक्रामक बनी हुई है वह ईरान के परमाणु ठिकानों और उसके सहयोगी नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार सैन्य विकल्पों पर विचार करता रहा है, और कई बार गुप्त अभियानों के जरिए ईरान को नुकसान पहुंचा चुका है। इन तीनों शक्तियों के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई किसी भी छोटे घटनाक्रम को बड़े युद्ध में बदल सकती है, और हार्मुज़ जलडमरूमध्य इसका सबसे संवेदनशील बिंदु है, जहां एक मिसाइल, एक ड्रोन या एक गलतफहमी भी वैश्विक संकट का कारण बन सकती है। पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे दयनीय दिखाई देती है। एक ओर वह खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इस तरह की मध्यस्थता करता है, लेकिन दूसरी ओर उसकी आर्थिक हकीकत उसे इस भूमिका के लिए तैयार नहीं होने देती विदेशी कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता से जूझते देश के लिए यह कूटनीतिक साहस कहीं न कहीं आत्मघाती साबित हो रहा है। आम पाकिस्तानी नागरिक के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक है, क्योंकि वह न तो इन वैश्विक रणनीतियों का हिस्सा है और न ही उसके पास इनका कोई लाभ है, लेकिन कीमत वही चुका रहा है,महंगे ईंधन, बढ़ते टैक्स और घटती जीवन-स्तर के रूप में। यदि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव वास्तव में युद्ध में बदलता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; भारत सहित पूरी दुनिया पर इसके आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव पड़ेंगे, खासकर ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार मार्गों पर। इसलिए यह समय केवल शक्ति प्रदर्शन का नहीं, बल्कि संयम और संवाद का है, लेकिन मौजूदा हालात में जिस तरह से बयानबाज़ी और सैन्य गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, उससे शांति की संभावना कमजोर और टकराव की आशंका अधिक मजबूत दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए यह एक कड़ा और बड़ा सबक हो सकता है कि वैश्विक राजनीति में बिना मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक आधार के बड़ी भूमिकाएँ निभाने की कोशिश अंततः देश के भीतर ही असंतोष और संकट को जन्म देती है। यही कारण है कि आज वह एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से आगे का हर कदम जोखिम भरा है, जबकि दुनिया की निगाहें हार्मुज़ जलडमरूमध्य पर टिकी हैं, जो आने वाले समय में शांति का मार्ग बनेगा या युद्ध का द्वार, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। इन परिस्थितियों में यदि शांति स्थापित नहीं होती है तो यह वैश्विक शांति के लिए ऐतिहासिक रूप से बड़ा खतरा बन सकता है। वर्तमान में आधुनिक परमाणु युद्ध बहुत उन्नत टेक्नोलॉजी वाला होता है तो पूरी दुनिया में मरने वालों की संख्या बहुत भयावह होने वाली है और आर्थिक रूप से आगे आने वाले 20 वर्षों में ना पूरा होने वाला नुकसान साबित होगा और आने वाला युद्ध आधुनिक वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा अभिशाप साबित हो सकता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार

आर्टिकलः एआई मॉडल-फायदे और दुरुपयोग के बीच संतुलन

आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से दुनिया को बदल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुरक्षा और मनोरंजन जैसे लगभग हर क्षेत्र में ढ्ढ मॉडल का उपयोग बढ़ता जा रहा है। यह तकनीक जहां एक ओर मानव जीवन को आसान और प्रभावी बना रही है, वहीं दूसरी ओर इसके दुरुपयोग को लेकर भी गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। सबसे पहले अगर इसके फायदों की बात करें, तो एआई ने काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। हेल्थ सेक्टर में एआई की मदद से बीमारियों का जल्दी और सटीक निदान संभव हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में यह छात्रों को पर्सनलाइज्ड लर्निंग अनुभव दे रहा है, जिससे उनकी समझ बेहतर हो रही है। बिजनेस में एआई डेटा एनालिसिस के जरिए कंपनियों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑटोमेशन के कारण कई काम तेज, सस्ते और अधिक सटीक हो गए हैं।

एआई का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह इंसानों के जोखिम भरे कामों को कम कर सकता है। जैसे खतरनाक उद्योगों, अंतरिक्ष मिशन या आपदा प्रबंधन में एआई का उपयोग मानव जीवन को सुरक्षित रखने में मदद करता है। साथ ही, चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट जैसे टूल्स ने लोगों के दैनिक जीवन को और भी सुविधाजनक बना दिया है। लेकिन जहां फायदे हैं, वहीं एआई के दुरुपयोग की संभावनाएं भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ा खतरा फेक न्यूज और डीपफेक तकनीक से है, जिसके जरिए किसी की भी आवाज या वीडियो को नकली रूप में तैयार किया जा सकता है। इससे समाज में भ्रम, अफवाह और गलत जानकारी तेजी से फैल सकती है।

इसके अलावा, साइबर क्राइम में भी एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है। हैकिंग, फिशिंग और ऑनलाइन फ्रॉड जैसे मामलों में एआई तकनीक का दुरुपयोग करके अपराधी और अधिक चालाक हो गए हैं। इससे आम लोगों की निजी जानकारी और सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

एक और चिंता का विषय रोजगार पर इसका प्रभाव है।

ऑटोमेशन के कारण कई पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, जिससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा है। हालांकि, इसके साथ नए अवसर भी पैदा होते हैं, लेकिन इसके लिए लोगों को नई स्किल्स सीखने की जरूरत होगी। एआई का सही उपयोग तभी संभव है जब इसके लिए मजबूत नियम और नैतिक दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

सरकार, कंपनियों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो, न कि नुकसान के लिए। साथ ही, लोगों को भी जागरूक होना होगा ताकि वे तकनीक का सही और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल कर सकें। अंत में कहा जा सकता है कि एआई एक शक्तिशाली उपकरण है, जो मानवता के लिए वरदान भी बन सकता है और अभिशाप भी। यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं।

कार्तिकेय बाजपेई

कविता

संजीव-नीद्य
शून्य सा मैं।

मेर वजूद आपको
भला नही लग सकयता,
जैसे किसी शांत कमरे में
अचानक रख दी गई
एक अनसुनी धड़कन।

मेरे शब्द आपको
चुभ भी सकते ,
मानों काँच पर चलती हुई धूप
थोड़ी देर के लिए
आँखों को असहज करती
पर वही धूप
धीरे-धीरे गुनगुनी लगने
लगती।

मैं सोचता हूँ,
क्या सचमुच मैं ही हूँ
उस असहजता का मूल
या फिर मेरे शब्दों में
कुछ ऐसा बचा रह गया
जो अभी तक पूरी तरह
चुप नहीं हुआ।

आपकी चुप्पी,दूरी
मेरे भीतर एक मिट्टी की
कोमल पगडंडी बना देती
जहाँ मैं खुद के साथ
चल पाता, खुद से बतियाता,
बिना किसी शोर के
बिना किसी सहमती
और अवसर के।

यह एक अबूझ शुरुआत
इसमें शून्य होने में भी
एक बीज की तरह
और भीतर कहीं
जिजीविषा का छोट
सा अंकुर पनपता ।

अब आपको मनाने की जगह
आप के भीतर उगने लगा
जैसे कोई पेड़
चुपचाप अपनी जड़ों के
विश्वास के साथ पनपता।

शायद किसी पल
मेरी उपस्थिति
आपको चुभे नही
बल्कि
किसी ठंडी छाया की तरह
थोड़ी देर थम जाने जैसी
भली लगने लगे।

संजीव ठाकुर

कविता

संजीव-नी।

प्रकृत बांसुरी जीवन-गीत गुनगुनाती।
कविताओं के स्वच्छ अंबर पर
तैरती है बचपन की हरीतिमा,
जैसे ओस की बूंदों में
सूरज की पहली
ताजगी छुपी हो।
नन्हों की खिलखिलाहट
हवा में ऐसे घुलती
मानो कोई अदृश्य बांसुरी
धीरे-धीरे जीवन को
गुनगुना रही हो।
उनकी हँसी में
ना कोई छल, ना कोई शिकन,
बस मिट्टी की सोंधी खुशबू
सपनों का निर्मल सावन।
छोटे-छोटे पाँवों से

वे धरती पर रंग बिखेरते
और अनजाने में ही
थके मनुष्यों के भीतर
जीने की चाह जगा देते ।
कागज़ की नावों में
वे समंदर तलाशते ,
और टूटी पेंसिल से भी
पूरा आकाश लिख डालते ।
कितना सहज उनका संसार,
न समय की दौड़,
न स्वार्थ की दीवार,
बस एक मुस्कान में समेटे
पूरे ब्रह्मांड का विस्तार।

पर हम लोग
क्यों भूल जाते वह अंबर
जहाँ हर शब्द और कविता
खिलखिलाहट से जन्म लेती ।
आओ, लौट चलें
उस हरीतिमा की ओर,
जहाँ नन्हों की हँसी
अब भी हमें खींचती।
धीरे से, कोमलता से,
मानो कह रही हो
जीवन इतना भी क्लिष्ट नहीं,
जितना तुमने उसे बुन लिया।

संजीव ठाकुर

लोकतंत्र का आधारः सशक्त ग्राम पंचायतें

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र के वृक्ष की कल्पना करें, तो इसकी जड़ें उन छोटी छोटी बस्तियों और गाँवों में हैं, जहाँ सदियों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक चर्चा और आपसी सहमति से करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, जो प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है, वास्तव में उसी प्राचीन परंपरा को आधुनिक संवैधानिक ढांचे में स्वीकार करने का एक उत्सव है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पुनरावृत्ति है जो सत्ता को बड़े नगरों की अट्टालिकाओं से निकालकर खेत खलिहानों तक पहुँचाने के लिए लिया गया था। भारतीय शासन व्यवस्था का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी स्थानीय शासन को महत्व दिया गया, समाज में सुख, समृद्धि और न्याय का संचार हुआ। ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में सभा और समिति का वर्णन मिलता है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनभागीदारी हमारे संस्कारों में समाहित है। चोल साम्राज्य के शासनकाल में भी स्थानीय स्वशासन के ऐसे उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं, जिन्हें आज भी प्रशासनिक विज्ञान के विद्वान अध्ययन का विषय मानते हैं। मध्यकाल और विशेष रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान यद्यपि इन संस्थाओं को आघात पहुँचा, परंतु इनकी मूल चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बार बार इस बात पर बल दिया कि वास्तविक स्वतंत्रता तभी आएगी जब भारत का प्रत्येक गाँव एक आत्मनिर्भर गणराज्य होगा। उनके अनुसार, दिल्ली में बैठकर लिया गया निर्णय पूरे देश की नियति नहीं बदल सकता, जब तक कि गाँवों के लोग स्वयं अपने विकास के मार्गदर्शक न बनें।

संविधान सभा में इस विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ और अंततः अनुच्छेद 40 के अंतर्गत राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। प्रारंभ में यह केवल राज्यों की इच्छा पर निर्भर था, परंतु समय की माँग को देखते हुए इसमें व्यापक सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सुझाव दिया, जिसे सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में लागू किया गया। इसके उपरांत अशोक मेहता समिति, 1977, जी.वी.के. राव समिति, 1985 और एल.एम. सिंघवी समिति, 1986 जैसी विभिन्न समितियों ने इस व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण परामर्श दिए। सिंघवी समिति की सिफारिशों का ही परिणाम था कि पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग दृढ़ता से उठाई गई। अंततः वर्ष 1992 में भारतीय संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जो 24 अप्रैल 1993 से पूर्णतः प्रभावी हुआ। इस ऐतिहासिक कदम ने भारतीय प्रजातंत्र के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया। अब पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं रह गई, बल्कि वे संवैधानिक शक्ति से संपन्न स्वायत्त संस्थाएं बन गई। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243 से 243-ण तक के प्रावधान जोड़े गए और 11वीं अनुसूची के माध्यम से पंचायतों को 29 महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने का पूर्ण अधिकार दिया गया। इनमें कृषि, भूमि सुधार, लघु सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, पुल, ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और स्वास्थ्य जैसे विषय सम्मिलित हैं, जो ग्रामीण जीवन के विकास के मुख्य स्तंभ हैं।

पंचायती राज व्यवस्था की संरचना अत्यंत वैज्ञानिक है। इसके सबसे निचले स्तर पर ग्राम पंचायत होती है, जहाँ ग्राम सभा की भूमिका अत्यंत निर्णायक होती है। ग्राम सभा लोकतंत्र का सबसे जीवंत रूप है, जहाँ गाँव का प्रत्येक मतदाता प्रत्यक्ष रूप से अपनी राय रख सकता है। मध्यवर्ती स्तर पर क्षेत्र पंचायत या पंचायत समिति होती है, जो विभिन्न ग्राम पंचायतों के मध्य समन्वय स्थापित करती है। शीर्ष स्तर पर जिला परिषद होती है, जो जिले के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करती है और प्रशासनिक सहायता प्रदान करती है। इस त्रि-स्तरीय व्यवस्था ने शासन को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने का कार्य किया है। इस प्रणाली की एक और क्रांतिकारी विशेषता सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, जिसे अब भारत के 21 राज्यों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। आज देश के 30 लाख से अधिक निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 14 लाख महिलाएं हैं। यह सामाजिक सशक्तिकरण का ऐसा अनुपम उदाहरण है जिसने ग्रामीण भारत की आधी आबादी को नेतृत्व के अवसर प्रदान किए हैं। अब गाँव की महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यालय निर्माण, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल संचालन कर रही हैं।

विकास के दृष्टिकोण से देखें तो पंचायतों ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के सुधार में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जैसी विशाल योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही संभव हो सका है। स्थानीय स्तर पर संसाधनों का उचित प्रबंधन और लाभार्थियों की सही पहचान करने में पंचायतें जितनी सक्षम हैं, उतनी कोई और संस्था नहीं हो सकती। पेयजल के लिए 'हर घर जल' अभियान हो या खुले में शौच से मुक्ति का संकल्प, पंचायतों ने इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। वर्तमान में सूचना और संचार के आधुनिक युग में पंचायतों को तकनीकी रूप से भी सुदृढ़ किया जा रहा है। ई-ग्राम स्वराज जैसे मंचों के माध्यम से पंचायतों के लेखा जोखा और विकास कार्यों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और जनता का विश्वास इन संस्थाओं के प्रति बढ़ा है। पंचायतों को मिलने वाले केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग के अनुदानों ने उन्हें आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनाया है, यद्यपि अभी भी स्वयं के राजस्व स्रोत विकसित करने की चुनौती बनी हुई है।

परंतु इस यात्रा में अनेक बाधाएं और चुनौतियां भी विद्यमान हैं। आज भी कई स्थानों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिवार के पुरुषों का हस्तक्षेप देखा जाता है, जिसे 'सरपंच पति' संस्कृति कहा जाता है। इसे दूर करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण और जागरूकता की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, कई राज्यों में अभी भी पंचायतों को वे सभी 29 विषय और शक्तियाँ हस्तांतरित नहीं की गई हैं, जिनका वर्णन संविधान की 11वीं अनुसूची में है। पंचायतों के पास अपने कर्मचारी और तकनीकी विशेषज्ञों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। वित्तीय स्वायत्तता का अभाव उन्हें राज्य और केंद्र सरकार के अनुदानों पर निर्भर बनाए रखता है, जिससे उनके स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। शिक्षा की कमी और स्थानीय स्तर पर जातिगत समीकरण भी कई बार विकास कार्यों के मार्ग में रोड़ा बनते हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए पंचायतों को सशक्त बनाना अनिवार्य है। उन्हें न केवल वित्तीय अधिकार दिए जाने चाहिए, बल्कि उनके प्रशासनिक ढांचे को भी आधुनिक और कुशल बनाना होगा।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार और नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार जैसे सम्मानों से विभूषित किया जाता है। यह पुरस्कार पंचायतों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म देते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। पंचायतों के माध्यम से ही हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जब तक हमारे गाँव गरीबी मुक्त, स्वस्थ, जल समृद्ध और स्वच्छ नहीं होंगे, तब तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। गाँव का विकास ही राष्ट्र का विकास है, क्योंकि जब गाँव की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, तो उसका प्रभाव संपूर्ण देश के सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प और कृषि आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर हम गाँवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को भी रोक सकते हैं।

निष्कर्षतः, पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की धमनियों में बहने वाला वह रक्त है जो इसे जीवंत बनाए रखता है। यह केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि यह जनता के हाथों में अपने भाग्य के निर्माण की शक्ति है। 73वें संविधान संशोधन ने जो बीज बोया था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। यद्यपि अभी हमें एक लंबी दूरी तय करनी है, परंतु जिस दिशा में हम बढ़ रहे हैं, वह निश्चित रूप से ग्राम स्वराज्य की प्राप्ति की ओर ले जाती है।

लोकतंत्र की सफलता इस बात में नहीं है कि संसद में कितनी चर्चा होती है, बल्कि इस बात में है कि एक छोटे से गाँव की ग्राम सभा में बैठा हुआ अंतिम व्यक्ति कितनी निर्भीकता से अपनी बात कह पाता है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हमें इसी उत्तरदायित्व की याद दिलाता है। हमें सामूहिक रूप से संकल्प लेना होगा कि हम अपनी पंचायतों को और अधिक पारदर्शी, सशक्त और साधन संपन्न बनाएंगे। यदि हमारी पंचायतें समर्थ होंगी, तो हमारा लोकतंत्र अभेद्य होगा और भारत पुनः विश्व के सामने एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत कर सकेगा। गाँवों की आत्मनिर्भरता ही हमारे गौरवशाली भविष्य की आधारशिला है और इसी मार्ग पर चलकर हम उस भारत का निर्माण कर पाएंगे जहाँ न्याय, समता और बंधुत्व के मूल्य प्रत्येक नागरिक के जीवन में प्रतिबिंबित होंगे। 24 अप्रैल की यह पावन तिथि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। यही इस दिवस की सार्थकता है और यही हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की विजय भी है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

बिजली का केबल ले जाने से मना किया,तो महिला की पिटाई

लालगंज (रायबरेली)। दरवाजे से बिजली का केबल ले जाने का विरोध करना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि मना करने पर तीन महिलाओं ने उसकी पिटाई कर दी। कोतवाली क्षेत्र के टाटियापुर मजरे बसंतपुर कठेइया गांव निवासी पीड़िता सुंदारा ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि गांव की ही रामावती, अंजना और संजना उसके दरवाजे से जबरन बिजली का केबल ले जा रही थीं। विरोध करने पर तीनों आरोपी गाली गलौज करने लगीं। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद तीनों ने लात घूंसों और डंडों से उसकी पिटाई कर दी। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

कौशल विकास मिशन के तहत हेल्थकेयर कोर्स का शुभारंभ

मिश्रिख/सीतापुर मिश्रिख़ क्षेत्र के भगवत मेमोरियल डिग्री कॉलेज, धर्मापुर में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत आर्टिकल टेक्नोलॉजी इंटरप्राइजेज द्वारा हेल्थकेयर हॉस्पिटल फ्रंट डेस्क कोऑर्डिनेटर कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक श्री रामकृष्ण भार्गव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिल रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने भविष्य को सशक्त बना सकते हैं। इस दौरान एमआईएस डीपीएमयू संदीप कुमार, आर्टिकल टेक्नोलॉजी के तहत ललित कुमार त्रिपाठी एवं आयुष भार्गव, सेंटर मैनेजर जयकरन राजवंशी, शिक्षक पवन कुमार, सौरभ कुमार श्रीवास्तव और रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं एवं उनके अभिभावक भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।

अक्षमाला बनेगी शिक्षा विभाग की सुन्दर पहचानः उप शिक्षा निदेशक

खैराबाद अक्षमाला शिक्षा विभाग की सुन्दर पहचान बनेगी क्योंकि इस पत्रिका का कथ्य और कलेवर बहुत आकर्षक है। यह बात जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), खैराबाद-सीतापुर में संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अक्षमाला' का भव्य लोकार्पण करते हुए उप-शिक्षा निदेशक/ प्रभारी प्राचार्य राजेन्द्र सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कही। पत्रिका के आधार स्तम्भ व पूर्व उप शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अक्षमाला पत्रिका में विविधता में एकता समाहित है। इसमें जन मानस को दिशा दिखाने के आलेख व कविताओं का अनूठा संगम है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि अक्षमाला बेसिक शिक्षा विभाग में भी मील का पत्थर साबित होगी। राजकीय इंटर कॉलेज सीतापुर के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने कहा कि यह पत्रिका केवल बेसिक शिक्षा विभाग के लिए ही उपयोगी नहीं वरन् माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए भी उपयोगी है। इसमें जीवन जीने की कला का मन्त्र दिया है। कार्यक्रम का संचालन अमित कुमार ने किया। इस दौरान महर्षि वेदव्यास संस्कृत महाविद्यालय नैमिषारण्य के प्राचार्य प्रभाकर द्विवेदी, डॉ देवेन्द्र कश्यप निडर, डॉ चन्द्रशेखर प्रजापति, ब्रजपाल, रमाशंकर, डॉ मीनाक्षी शर्मा, डॉ स्नेह लता वर्मा, सहित शिक्षाविदों, प्रशिक्षुओं आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

लखनऊ में विकास नगर के बाद अब केशव नगर में भीषण आग, एलजी के गोदाम में रखा सामान खाक

लखनऊ। राजधानी के विकास नगर क्षेत्र में लगी भीषण आग के लगभग एक हफ्ते बाद ही मडियांव थाना क्षेत्र के केशव नगर में बड़े अग्निकांड में एक कंपनी को बड़ा नुकसान हुआ है। केशव नगर में पुलिस चौकी के पास एलजी के गोदाम में भीषण आग से सारा सामान खाक हो गया। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां आग पर काबू पाने में भले ही लगीं, लेकिन सारा सामान जल गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। केशव नगर में पुलिस चौकी के पास एलजी के गोदाम में भीषण आग लगने से पूरे लखनऊ में सप्लाई होने वाली फ्रीज, एसी और वाशिंग मशीन इत्यादि खाक हो गई। केशवनगर में एलजी के गोदाम में गुरुवार शाम आग लगने के बाद लपट व धुआं निकलता देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दमकल को सूचना दी। दमकल कर्मी पांच गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुटे, लेकिन गोदाम में रखा सारा सामान जल गया।

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार

● प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल, मलिहाबाद में दिनभर उबाल पर रहा माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊः मलिहाबाद क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। थाने से महज 10 मीटर की दूरी पर स्थापित महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को अज्ञात लोगों द्वारा रातों-रात उखाड़कर गायब कर दिया गया। यह घटना उस स्थान पर हुई जहां सुरक्षा के लिहाज से सबसे अधिक सतर्कता अपेक्षित होती है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

जानकारी के अनुसार यह स्मृति द्वार क्षेत्र की मौजूदा विधायक जयदेवी कौशल द्वारा लगवाया गया था, जो पासी समाज के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। जैसे ही सुबह लोगों को इस द्वार के गायब होने की जानकारी मिली, क्षेत्र में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। घटना से आहत पासी समाज के लोगों में गुस्सा साफ तौर पर दिखाई दिया और उन्होंने तत्काल विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शन धीरे-धीरे व्यापक रूप लेता गया और पूरे दिन मलिहाबाद का माहौल गरमाया रहा। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और इस घटना की कड़ी निंदा की। सुहेलदेव आर्मी के चीफ योगेश पासी, लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी, स्कपार्टी के आर.के. आदर्श सहित कई प्रमुख लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, आशु किशोर और ब्लॉक प्रमुख मीनू वर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की।

प्रशासन की ओर से इस मामले में सफाई दी गई कि जिस कंपनी ने स्मृति द्वार का निर्माण कराया था, उसका भुगतान अभी तक पूरा नहीं किया गया था। इसी कारण कंपनी ने रात में आकर द्वार को उखाड़ लिया। हालांकि यह दलील लोगों के गले नहीं उतर रही है। लोगों का कहना है कि यदि भुगतान का मामला था तो इसे कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए था, न कि चोरी-छिपे इस तरह की कार्रवाई की जाती। साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि इतनी संवेदनशील जगह पर बिना किसी अनुमति के इतनी बड़ी संरचना को कैसे हटाया जा सकता है।

घटना ने सामाजिक एकजुटता की भी एक मिसाल पेश की, जब ब्राह्मण समाज के शुभम पंडित ने खुलकर पासी समाज के समर्थन में आवाज उठाई। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह मामला केवल एक समाज तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि व्यापक स्तर पर लोगों की भावनाएं इससे जुड़ गई हैं। वहीं कुछ अन्य समाज के लोगों द्वारा पहले से इस स्मृति द्वार का विरोध किए जाने की बात भी सामने आई है, जिससे मामले ने और अधिक तूल पकड़ लिया है।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पासी समाज के संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को पुनः स्थापित नहीं किया जाता और इस घटना के जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को आश्वासन दिया है कि शाम तक स्मृति द्वार को दोबारा स्थापित कर दिया जाएगा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील मुद्दों को समय रहते संभालना कितना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं कि वह इस पूरे मामले को किस तरह सुलझाता है और लोगों का भरोसा दोबारा जीत पाता है या नहीं।

विश्व पृथ्वी दिवस-2026 के अवसर पर सरस्वती ब्लॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक सार्थक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यह कार्यक्रम वैश्विक थीम 'Our Power, Our Planet' के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं सतत विकास पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. आशीष भटनागर, महानिदेशक (तकनीकी), डॉ. भरत राज सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डीन- छात्र कल्याण, डॉ. पी. के. सिंह तथा प्राचार्य, डिप्लोमा डॉ. अमरजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों में डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ, डॉ. कमलेश, सुनित कुमार, उमेश कुमार, डॉ. अशोकसेन गुप्ता, अनूप सिंह, संजीव पाण्डेय सहित अन्य की उपस्थिति रही। साथ ही प्रथम वर्ष के छात्रों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ता डॉ. आशीष भटनागर ने पर्यावरण संरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं महानिदेशक (तकनीकी) एवं पर्यावरणविद डॉ. भरत राज सिंह ने जलवायु क्षति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए छात्रों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक रहने तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ, जो एक हरित एवं सतत भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। यह पहल अत्यंत सराहनीय रही तथा संस्थान की पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डीएम व एसपी ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- रायबरेली जनपद के सरेनी थाना क्षेत्र में गंगा नदी में डूबने से तीन व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हो गई जिसमें ग्राम रानीखेड़ा के निवासी हरिओम 22 वर्ष, हरिशंकर 16 वर्ष व सत्येन्द 26 वर्ष एवं हिमांशु सीएचसी सरेनी में भर्ती है जिनका उपचार किया जा रहा है। उक्त प्रकरण का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला अस्पताल रायबरेली पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। जिलाधिकारी ने शोकाकुल परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृतकों के परिजनों को शासन द्वारा अनुमन्य राहत राशि/मुआवजा शीघ्र दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

पुलिस अधीक्षक ने भी घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बताया कि मामले की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सतर्कता बढ़ाई जाएगी। जनपद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नदी-तटों पर जाते समय विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सरौरा में 'विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस' पर जागरूकता अभियान स्वस्थ

● मुस्कान के लिए ग्रामीणों को दिया गया महत्वपूर्ण संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत सरौरा में विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Career Post Graduate Institute of Dental Sciences and Hospital के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा ग्राम सचिवालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जानकारी देना ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना भी था, ताकि वे मौखिक स्वास्थ्य को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना सकें।

स्वस्थ मुँह—स्वस्थ जीवन का आधार कार्यक्रम की शुरुआत में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि मुँह की स्वच्छता केवल दाँतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। **डॉक्टरों ने समझाया कि-** मुँह में संक्रमण से हृदय और पाचन संबंधी समस्याएँ भी हो सकती हैं, नियमित सफाई से

कई गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है, सही खान-पान और स्वच्छता से जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है तंबाकू और गुटखाः छिपा हुआ खतरा जागरूकता सत्र में तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों पर विशेष चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि– तंबाकू, बीड़ी और गुटखा से दाँतों का क्षरण होता है मसूड़ों की बीमारी और मुँह की दुर्गंध बढ़ती है लंबे समय तक सेवन से मुँह का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है ग्रामीणों को वास्तविक उदाहरणों और चित्रों के माध्यम से इन दुष्प्रभावों को समझाया गया, जिससे लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा। व्यावहारिक प्रशिक्षण और सहभागिता कार्यक्रम को केवल भाषण तक सीमित न रखते हुए इसे पूरी तरह सहभागितापूर्ण बनाया गया।

मुख्य गतिविधियाँः ब्रशिंग तकनीक का प्रदर्शनः डॉक्टरों ने सही तरीके से ब्रश करने

की विधि का लाइव डेमो दिया, जिसमें गोलाकार मूवमेंट और सही समय (कम से कम 2 मिनट) पर जोर दिया गया। दंत जांच परामर्शः ग्रामीणों को नियमित रूप से दंत चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी गई। पोस्टर और स्लोगन अभियानः 'A Happy Mouth is a Happy Life' जैसे संदेशों के जरिए लोगों को सरल भाषा में जागरूक किया गया।

प्रश्नोत्तर सत्रः ग्रामीणों ने अपने दाँतों और मुँह से जुड़ी समस्याओं के बारे में सवाल पूछे, जिनका डॉक्टरों ने विस्तार से जवाब दिया। महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में महिलाओं और बुजुर्गों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। महिलाओं को बच्चों के दंत स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में बताया गया बुजुर्गों को कृत्रिम दाँत (डेंचर) की सफाई और देखभाल के बारे में जानकारी दी गई

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संकल्प कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने तंबाकू छोड़ने और नियमित रूप से मुँह की सफाई करने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि यहाँ जागरूकता की कमी के कारण लोग छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारी का रूप ले लेती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत पहल

इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं को केवल अस्पतालों तक सीमित न रखकर गाँव-गाँव तक पहुँचाना कितना जरूरी है। Career Post Graduate Institute of Dental Sciences and Hospital द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल मौखिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल है। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि सही जानकारी और समय पर जागरूकता से बड़ी से बड़ी बीमारियों को रोका जा सकता है, और एक स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है।

निगोहां इंडेन गैस एजेंसी के खिलाफ लामबंद हुए पत्रकार, घटतौली और अभद्रता के आरोपों पर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

......राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार से बदसलूकी और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रेस क्लब ने की सख्त कार्रवाई की मांग; एसडीएम ने दिया जांच का आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज स्थित निगोहां इंडेन गैस एजेंसी पर घटतौली, कालाबाजारी और सरकारी रास्ते पर अवैध कब्जे जैसे गंभीर आरोपों को लेकर विवाद गहरा गया है। मामला तब और गरमा गया जब कवरेज करने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार मोईन खान के साथ एजेंसी संचालक राजीव सैनी द्वारा कथित तौर पर अभद्रता और जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना के विरोध में निगोहां प्रेस क्लब ने संरक्षक मुकेश द्विवेदी और अध्यक्ष विमल सिंह चौहान की अगुवाई में एसडीएम पवन पटेल को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि एजेंसी पर पहले भी भाजपा नेता से मारपीट के आरोप लग चुके हैं और इसके गोदाम के अवैध निर्माण का मामला तहसीलदार न्यायालय में अंतिम चरण में है। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी, ललित दीक्षित, मोईन खान, शिवा मिश्रा सहित दो दर्जन से अधिक पत्रकारों की मौजूदगी रही।

ऐहार के श्रीगणेश विद्यालय के शानदार रिजल्ट पर मेधावियों का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज ऐहार ने बेहतर प्रदर्शन किया।इंटरमीडिएट का परिणाम 95% और हाईस्कूल का 90.33% रहा। परिणाम आते ही विद्यालय में खुशी का माहौल दिखा।मेधावी छात्रों के सम्मान में भव्य कार्यक्रम हुआ। प्रबंधक कार्तिकेय शंकर वाजपेई और प्रधानाचार्य अवनींद्र पांडेय ने छात्रों को माला पहनाकर सम्मानित किया। मेडल और उपहार भी दिए गए। इंटरमीडिएट में मीनाक्षी ने 80% अंक लेकर पहला स्थान पाया। श्रेया 79% के साथ दूसरे और अंकिता कुमारी 75% के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। हाईस्कूल में अंशिका ने 90% अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मयंक 84.33% के साथ दूसरे और सोनम 83.33% के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

अन्य मेधावी छात्रों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक दिलीप द्विवेदी, सत्येश कुमार मिश्रा, राकेश मिश्रा, परीक्षा प्रभारी अनूप पांडेय समेत सभी शिक्षक मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधन ने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्रबंधक कार्तिकेय शंकर वाजपेई ने शिक्षकों की सराहना की। विद्यालय ने आगे भी बेहतर परिणाम देने का संकल्प जताया।

रेउसा में 'हर घर जल' की ओर मजबूत कदम- जल जीवन मिशन से गाँवों में आई विकास की नई धार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। ग्रामीण भारत में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में जल जीवन मिशन अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता दिख रहा है। जनपद सीतापुर के विकास खंड रेउसा के दूरस्थ और पिछड़े गाँवों में इस योजना का प्रभाव न केवल दिख रहा है, बल्कि लोगों के दैनिक जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव भी ला रहा है। जहाँ कभी ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए सुबह-शाम लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था या दूर-दराज के हैंडपंपों और तालाबों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक शुद्ध पेयजल पहुँचने लगा है। इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

नगरौलीः आधुनिक जलापूर्ति व्यवस्था का मॉडल गाँव

विकास खंड रेउसा की ग्राम पंचायत नगरौली इस योजना के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण बनकर उभरी है। यहाँ स्थापित की गई आधुनिक जल संरचना के अंतर्गत–

उच्च क्षमता वाला ओवरहेड टैंक (शिरोपरि जलाशय)

गहरे बोर का नलकूप (ट्यूबवेल)

स्वचालित पंप हाउस प्रणाली

सोलर ऊर्जा आधारित संचालन प्रणाली

मजबूत बाउंड्रीवॉल और सुरक्षा प्रबंध

पूरे गाँव में फैला पाइपलाइन वितरण नेटवर्क का निर्माण किया गया है। इस व्यवस्था से गाँव के लगभग 3,632 लोगों को नियमित, स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल रहा है। जलापूर्ति की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाल्व सिस्टम और वितरण नियंत्रण भी लागू किया गया है, जिससे हर घर तक समान रूप से पानी पहुँच सके।

अन्य ग्राम पंचायतों में भी तेज़ी से विस्तार

नगरौली के अलावा अकसोहा, बेलहा दरियाना और लडिलापुर जैसे गाँवों में भी परियोजना का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। इन क्षेत्रों के करीब 3,425 ग्रामीणों को अब नियमित जलापूर्ति मिल रही है।

अधिकारियों के अनुसारः रेउसा ब्लॉक की 33 ग्राम पंचायतों में आंशिक जलापूर्ति शुरू हो चुकी है कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने, कनेक्शन देने और परीक्षण कार्य अंतिम चरण में है शेष गाँवों में कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं

तकनीकी गुणवत्ता और निगरानी पर विशेष ध्यान

परियोजना की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए— पाइपलाइन की लीकेज टेस्टिंग नियमित रूप से की जा रही है

जल की गुणवत्ता जांच (Water Testing) लैब के माध्यम से हो रही है

हर गाँव में स्थानीय जल समिति का गठन किया गया है

डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए रियल-टाइम प्रगति पर नजर रखी जा रही है

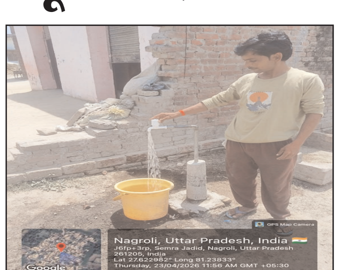

इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीणों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और मानक गुणवत्ता वाला पेयजल मिले।

स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से क्षेत्र में जलजनित बीमारियों जैसे– डायरिया, हैजा, टाइफाइड में कमी देखने को मिल रही है। स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में ऐसे मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, जो इस योजना की सफलता का संकेत है।

महिलाओं और बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव

इस योजना का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बच्चों को मिला है। पहले– महिलाओं को प्रतिदिन कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी

अब– घर पर ही पानी मिलने से महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है बच्चे अपनी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रहे हैं परिवारों की दिनचर्या अधिक व्यवस्थित और संतुलित हो गई है ग्रामीणों की प्रतिक्रियाः 'अब जीवन आसान हुआ'

स्थानीय निवासी बताते हैंः 'पहले पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी, खासकर गर्मियों में हालात और खराब हो जाते थे। अब घर पर ही साफ पानी मिल रहा है, जिससे हमारी जिंदगी काफी आसान हो गई है।

रोजगार और स्थानीय भागीदारी को भी बढ़ावा

इस योजना के निर्माण और संचालन में स्थानीय लोगों को भी जोड़ा गया है, जिससे– ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिले, परियोजना के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना बढ़ी, रखरखाव कार्यों में स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित हुई, प्रशासन की रणनीतिः हर घर तक कनेक्शन

जल निगम (ग्रामीण) सीतापुर के अधिकारियों के अनुसारः लक्ष्य है कि हर घर तक पाइपलाइन कनेक्शन जल्द से जल्द पहुँचे

» कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठकें की जा रही हैं

» किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश हैं

रेउसा में दिख रही विकास की नई तस्वीर

जल जीवन मिशन के प्रभाव से रेउसा क्षेत्र के गाँव अब तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ने न केवल जीवन स्तर को बेहतर बनाया है, बल्कि ग्रामीणों में विकास के प्रति नई आशा भी जगाई है। यह पहल यह साबित करती है कि यदि योजनाओं का क्रियान्वयन सही दिशा में और पारदर्शिता के साथ किया जाए, तो दूरस्थ गाँवों तक भी विकास की रोशनी आसानी से पहुँच सकती है।

नकाब लगाकर हमला, कैसे होर्मुज में भारतीय जहाज ईरान ने किया कब्जा

● बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 8:00 बजे जब एपा मिनी डेज़ नाम का यह कटेनरशिप हॉर्न स्टेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी अचानक ईरान की आईआरजीसी ने इस जहाज को निशाना बनाया। पहले चेतावनी दी गई और फिर फायरिंग शुरू हो गई। समुंदर के बीच गोलियों की आवाज जहाज पर 21 लोगों के लिए वह पल किसी डरावने सपने से कम नहीं था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच ईरान ने भारत आ रहे एक कंटेनर जहाज को रोक लिया। इतना ही नहीं फायरिंग के बाद इस जहाज को अपने कब्जे में भी ईरान ने ले लिया और इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जहाज पर भारत का एक नागरिक मौजूद है। एक नाटकीय फुटेज जारी किया है। इस फुटेज में कथित तौर पर दिखाया गया है कि कैसे नकाबपोश कमांडो ने जहाजों का पीछा किया, उन पर चढ़ गए और आखिरकार उन्हें ज़ब्त कर लिया। हॉलीवुड की किसी एक्शन थ्रिलर फिल्म जैसा लगने वाला यह प्रोपेगैंडा वीडियो, अमेरिकी मरीन द्वारा दो ईरानी झंडे वाले मालवाहक जहाजों पर चढ़कर उन्हें ज़ब्त करने के कुछ दिनों बाद आया है। उन जहाजों ने होर्मुज में लगी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश की थी।

बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 8:00 बजे जब एपा मिनी डेज़ नाम का यह कटेनरशिप हॉर्न स्टेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी अचानक ईरान की आईआरजीसी ने इस जहाज को निशाना बनाया। पहले चेतावनी दी गई और फिर फायरिंग शुरू हो गई। समुंदर के बीच गोलियों की आवाज जहाज पर 21 लोगों के लिए वह पल किसी डरावने सपने से कम नहीं था। वॉइस कैप्टन संजय महान ने अपने वीडियो में बताया कि जैसे ही फायरिंग शुरू हुई सभी क्रू मेंबर तुरंत जहाज के अंदर चले गए और खुद को सुरक्षित करने की कोशिश की। अब आपको बताते हैं इस जहाज के बारे में। इस कंटेनरशिप का नाम है एपा मिनोडेस। यह लाइबेरिया के झंडे वाला एक कमर्शियल कारगो जहाज है। यह जहाज सऊदी अरब से भारत के गुजरात स्थित मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था।

यानी यह एक सामान्य व्यापरिक यात्रा थी। लेकिन अचानक यह अंतरराष्ट्रीय विवाद का हिस्सा बन गई। जहाज पर कुल 21 लोग सवार हैं और इनमें वॉइस कैप्टन संजय महर भारत से हैं। बाकी क्रू मेंबर फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक हैं। यानी यह एक मल्टीनेशनल क्रू है जो अब ईरान के कब्जे में है। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन हालात तनावपूर्ण बताए जा रहे हैं।

ईरान के सैनिकों ने भारतीय जहाज पर कब्जा कैसे किया?

इस नाटकीय वीडियो में ईरानी सैनिक स्पीडबोट्स में सवार होकर मालवाहक जहाजों की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो ट्रंप के उन बार-बार किए गए दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिनमें उन्होंने कहा था कि युद्ध के दौरान ईरानी नौसेना पूरी तरह से तबाह हो गई थी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि इन जहाज़ों पर कब्ज़ा करने के पीछे ईरान का 'मच्छर बेड़ा' था यानी छोटी, तेज़ रफ़्तार वाली और जिनका पता लगाना मुश्किल होता है, ऐसी नावें जिन्हें शक्तिशाली आईआरजीसी द्वारा संचालित किया जाता है। इसके बाद वीडियो में नकाब पहने ईरानी सैनिक, जिनके पास राइफलें हैं, एक सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ते और एमएससी फ्रांसेस्का पर सवार होते दिखाई देते हैं।

एपामिनोंडास पर सवार, नकाबपोश कमांडो राइफलों के साथ तलाशी लेते और इंजन रूम में दाखिल होते नज़र आते हैं। फिर विज़ुअल्स में सैनिकों को जहाज़ के ऊपरी डेक पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। भारत की ओर जा रहे जहाज़ एपामिनोंडास के 'ब्रिज' (केंद्रीय कमांड सेंटर) को तब नुकसान पहुँचा, जब ईरानी सैनिकों ने अपनी स्पीडबोट से गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। हालाँकि, जहाज़ के क्रू को कोई चोट नहीं आई। एमएससी फ्रांसेस्का, जो ईरान के तट से लगभग छह मील दूर था, उस पर भी ज़ोरदार गोलीबारी हुई।

संक्षिप्त खबरें

बंगाल चुनाव में केजरीवाल की एंट्री, ममता के लिए 26-27 अप्रैल को करेंगे प्रचार

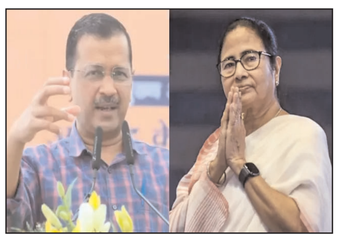

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंगाल चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए समर्थन मांगने के वास्ते 26 और 27 अप्रैल को चुनाव प्रचार करेंगे। आप सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आप सूत्र ने बताया कि केजरीवाल बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के निमंत्रण पर राज्य का दौरा करेंगे और उनके लिए जनता से समर्थन मांगेंगे।

जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में केजरीवाल लेंगे हिस्सा

बताया गया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे चरण के लिए तृणमूल के चुनाव प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं। केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने ममता बनर्जी से फोन पर बात की है और उन्हें अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा था कि ममता दीदी से फोन पर बात हुई। मैंने उनके प्रति पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। वह सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में गुरुवार को 152 सीट पर मतदान संपन्न हो गया जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण में शेष सीट पर मतदान होगा। चुनाव के नतीजे चार मई को आएंगे।

IRS बेटी हत्याकांड: चोरी के पैसे से सर्वेंट क्वार्टर में कॉल गर्ल लाता था राहुल, जांच में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी की होनहार बेटी की बेरहमी से हत्या और दुष्कर्म के मामले में दिल्ली पुलिस को हैरान करने वाली जानकारी मिली है। राहुल को भली-भांति पता था कि लड़की के माता-पिता सुबह जिम जाते हैं और वह बिल्डिंग के हर रास्ते व तलों से वाकिफ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि कम उम्र में ऑनलाइन ''तीन पत्ती'' गेम के जरिए पैसा कमाने वाले राहुल को लड़कियों और जुए की लत लग चुकी थी। आईआरएस अधिकारी के घर में नौकरी करने के दौरान चोरी के पैसे इकट्ठा करने के बाद राहुल अक्सर अपने सर्वेंट क्वार्टर में कॉलगर्ल ले आता था। अलवर में विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म करने के दौरान उसने महिला को दांतों से काट लिया था और जान से मारने की धमकी दी थी। **क्या है पूरा मामला?** 22 अप्रैल की सुबह जब यूपीएससी की तैयारी करने वाली छात्रा अपने रूफ-टॉप स्टडी रूम में पढ़ाई कर रही थी, तभी राहुल वहां दाखिल हो गया था। उसने दुष्कर्म की नीयत से लड़की का गला दबाकर उसे काबू करने की कोशिश की। विरोध करने पर पास रखे लैंप व भारी वस्तु से उसके सिर पर वार कर घायल कर दिया गया। बेहोशी की हालत में आरोपित ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया और फिर लूटपाट के इरादे से उसे सीढ़ियों से घसीटते हुए एक तल नीचे यानी तीसरी मंजिल पर लेकर आ गया। उस तल पर एक कमरे में लॉकर मौजूद है।

स्टेशन मास्टर अब कहलाएंगे स्टेशन प्रबंधक, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन सुपरिंटेंडेंट/स्टेशन मास्टर का पदनाम बदल गया है। अब इनका पदनाम स्टेशन प्रबंधक होगा। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन ने रेलवे बोर्ड के इस कदम का स्वागत किया है। उसका कहना है कि यूनियन के लंबे संघर्ष के बाद यह पदनाम बदला गया है। ट्रेन में तैनात गार्ड का पदनाम वर्ष 2022 में बदलकर ट्रेन प्रबंधक कर दिया गया था। उसके बाद अब स्टेशन सुपरिंटेंडेंट के पदनाम भी बदला गया है। 22 अप्रैल को जारी आदेश के अनुसार, ग्रेड पे 4600 (लेवल-7) वाले सहायक स्टेशन प्रबंधक और ग्रेड पे 4800 (लेवल-8) वाले स्टेशन प्रबंधक के रूप में जाने जाएंगे। पदनाम बदले गए हैं, लेकिन उनके दायित्वों और वेतनमान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। **ऐतिहासिक बदलाव** ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन के महासचिव मनोज गुप्ता ने कहा है कि स्टेशन मास्टर्स संवर्ग के लिए यह मान-सम्मान से जुड़ा एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय है। संगठन पिछले सात वर्षों से लगातार इसके लिए संघर्ष कर रहा था। इससे पहले भी संगठन के संघर्ष के कारण ही कैडर रिस्ट्रक्चरिंग, सिले हुए ड्रेस की जगह वर्दी भत्ता, असिस्टेंट स्टेशन मास्टर पद को हटाना, प्रारंभिक भर्ती में ग्रेड पे 4200 सुनिश्चित कराना, भर्ती के तुरंत बाद यात्रा के लिए फर्स्ट क्लास पास की सुविधा और रात्रि भत्ता का भुगतान फिर से शुरू कराने जैसे कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हो सके हैं।

श्रीभूमि जिले के सिंगलाछड़ा बाजार की सड़क बनी जलभराव का केंद्र, लोगों में आक्रोश

● ड्रेनेज व्यवस्था के अभाव में सड़क पर जमा गंदा पानी, जनजीवन प्रभावित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के आनिपुर टी गार्डन से मागुराछड़ा टी एस्टेट तक जाने वाली पीडब्ल्यूडी सड़क (कालाछड़ा व सिंगलाछड़ा बाजार मार्ग) की दयनीय स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जिले के रामकृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र के सिंगलाछड़ा बाजार में यह सड़क अब सड़क न रहकर गंदे पानी के तालाब में तब्दील हो गई है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उचित नाला (ड्रेनेज) व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर हर दिन पानी जमा रहता है। स्थिति यह है कि बाजार के पास स्थित मंदिर परिसर तक जलभराव की चपेट में है, जिससे धार्मिक गतिविधियों में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस समस्या का सबसे अधिक असर आम लोगों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। स्कूली बच्चों को पानी से भरी सड़क पार कर विद्यालय जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। वहीं, बाजार के दुकानदारों को भी रोजाना आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। साथ ही दुर्गंध से स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग (PWD) और जनप्रतिनिधियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया है कि केवल सड़क निर्माण को ही विकास मान लेना क्या उचित है, जब जल निकासी की कोई व्यवस्था ही नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि जल्द से जल्द पक्का नाला निर्माण कार्य शुरू किया जाए और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई गई है। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों, सूचना के अधिकार (RTI) के माध्यम से उठाने को बाध्य होंगे।

श्रीभूमि जिले में दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन का 'फ्लैग स्टेशन' में उन्नयन अब भी अधूरा

● कागजों तक सीमित विकास, यात्रियों में बढ़ता आक्रोश।

● प्रधानमंत्री व रेल मंत्री और स्थानीय सांसद से हस्तक्षेप की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन को 'हॉल्ट स्टेशन' से 'फ्लैग स्टेशन' में उन्नत करने की घोषणा अब तक जमीन पर लागू नहीं हो पाई है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष देखा जा रहा है। गत 4 जुलाई 2025 को रेल राज्य मंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक लिखित निर्देश में आश्वासन दिया गया था कि वादे के अनुरूप स्टेशन का दर्जा बढ़ाया जाएगा और आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही एक आधिकारिक दस्तावेज भी जारी किया गया था। हालांकि, स्थानीय सांसद कृपानाथ माल्लाह द्वारा लंबे समय से इस स्टेशन के विकास के लिए प्रयास किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस काम शुरू नहीं हुआ है, ऐसा स्थानीय लोगों का आरोप है। यात्रियों के अनुसार, फुट ओवरब्रिज, शौचालय, पेयजल सुविधा, प्रतीक्षालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। आवश्यक ढांचे के अभाव में यात्रियों को असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने सरकार से जल्द से जल्द वादों को पूरा करने और निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और स्थानीय सांसद कृपानाथ माल्लाह से इस मुद्दे में हस्तक्षेप करने की अपील की है।

दिल्ली में खुलेंगे दो हब एक्सीलेंस सेंटर, 100 स्टार्टअप्स को मिलेगा सपोर्ट और 1000 युवाओं को नौकरी

» लगभग 100 स्टार्टअप्स को मिलेगा समर्थन, 7000+ प्रशिक्षण

» प्रत्येक केंद्र को 20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए दो हब उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय किया है। दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री डॉ. पंकज सिंह का कहना है कि इससे लगभग 100 स्टार्टअप्स को समर्थन मिलेगा। इन केंद्रों में सात हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षण मिलेगा और एक हजार से अधिक नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा कि नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एआई में निवेश किया जाएगा। प्रत्येक केंद्र को 20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के साथ विकसित किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा 40:40:20 योगदान मॉडल पर यह आधारित होगा। इन केंद्रों से नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही तकनीक से नागरिकों के जीवन में सार्थक सुधार लाने में मदद मिलेगी।

प्रलयंकारी कालबैशाखी तूफान से जिले के दुल्लभछड़ा में भारी नुकसान

● हॉस्पिटल रोड पर प्रशांत भट्टाचार्य के घर सहित कई स्थान प्रभावित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में गत 22 अप्रैल (बुधवार रात): अचानक आए प्रलयंकारी कालबैशाखी तूफान ने दुल्लभछड़ा के हॉस्पिटल रोड सहित आसपास के विस्तृत इलाकों में भारी तबाही मचाई। तेज़ हवाओं, बिजली कड़कने और चमक के कारण पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तूफान की तीव्रता से कई घरों की छतें उड़ गईं, बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए और बिजली लाइनों को भारी नुकसान पहुंचा। इसके चलते पूरी रात दुल्लभछड़ा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा और हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक नुकसान हॉस्पिटल रोड निवासी प्रशांत भट्टाचार्य के घर को हुआ। पास का एक विशाल सिरिश का पेड़ टूटकर उसकी शाखाएं पक्की छत पर जा गिरीं। तेज़ आवाज़ से परिवार के सदस्य घबरा गए। छत के लोहे के पांच खंभे मुड़कर टूट गए, जिससे घर की संरचना को गंभीर क्षति पहुंची।

इसके अलावा, घर की पीने के पानी की पाइपलाइन टूट गई और बिजली कनेक्शन भी बाधित हो गया। छत पर रखे फूलों के गमले सहित कई सामान नष्ट हो गए। परिवार के अनुसार, प्रारंभिक नुकसान का अनुमान लगभग 35 हजार रुपये से अधिक है। वहीं, हॉस्पिटल रोड की मुख्य बिजली लाइन टूटकर सड़क पर गिर गई, जिससे खतरनाक स्थिति पैदा हो गई। साथ ही सत्संग के पास एक मिल की टिन की छत तेज़ हवा में उड़कर सड़क पर आ गिरी, जिससे लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। बिजली विभाग ने बताया कि क्षतिग्रस्त लाइनों की मरम्मत कर जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने के लिए कर्मचारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों के लिए सरकारी सहायता की मांग की है। तूफान के बाद स्थिति को सामान्य करने के लिए स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

ओलंपिक 2028 में नाइटराइडर्स के मैदान में होंगे क्रिकेट मुकाबले, आईसीसी सीईओ ने कहा- 'यह इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण'

● ओलंपिक 2028 के क्रिकेट मैच आईपीएल फ्रेंचाइजी के मैदान पर खेले जाएंगे

● पोमोना शहर में मैदान का गुरुवार को शिलान्यास किया गया

● आईसीसी के सीईओ ने कहा कि यह इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण है

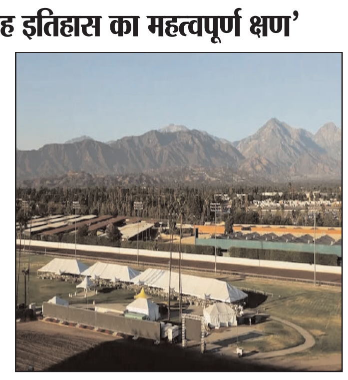

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लॉस एंजिलिस। 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट मुकाबले लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर आयोजित किए जाएंगे। अमेरिका के लॉस एंजिलिस के निकट स्थित पोमोना शहर में इस मैदान का गुरुवार को शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा कि यह इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं, वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं है, बल्कि एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में 128 साल लगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने क्रिकेट को लॉस एंजिलस खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है। गुप्ता ने कहा कि इससे इस खेल के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। संजोग गुप्ता ने कहा कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं। पोमोना स्थित क्रिकेट स्थल की विरासत इसे क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

नोएडा में 10वीं में देवेश कुमार और 12वीं में हिमांशी शर्मा ने किया जिला टॉप

ग्रेटर नोएडा। इंटरमीडिएट में 91.20 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टॉप करने वाली केसीएस बालिका इंटर कालेज सूरजपुर की छात्रा हिमांशी शर्मा एक साधारण किसान की बेटी है। उनके 500 में से 456 अंक आए है। हिमांशी के गणित में 97, भौतिक विज्ञान में 93, अंग्रेजी में 94, हिंदी में 90 व रसायन विज्ञान में 82 अंक हैं। उन्होंने योजना बनाकर बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की। प्रतिदिन नियमित रूप से पांच से छह घंटों तक पढ़ाई की। साथ ही गणित व भौतिक विज्ञान पर पकड़ मजबूत बनाने के लिए कोचिंग का सहारा लिया। हिमांशी के पिता उमेश कुमार शर्मा किसान हैं, जबकि मां निर्मेश शर्मा गृहणी है। वहीं, 10वीं में टॉप करने वाले देवेश कुमार को 94.33 प्रतिशत अंक मिले। हिमांशी ने बताया कि वह चार भाई-बहन हैं। पिता ने तमाम मुसीबतों के बाद भी उन्हें पढ़ाई में सहयोग किया। दो-दो विषयों की कोचिंग कराई और उनकी हर जरूरतों को पूरा करते रहें। हिमांशी अब बीएससी (गणित) से स्नातक की पढ़ाई करेंगी।

2 घंटे 14 मिनट की डिजास्टर ओटीटी पर आते ही हुई हिट, टॉप ट्रेंडिंग में बनी हुई 2025 की फिसड्डी फिल्म

● ओटीटी पर आते ही छाई फ्लॉप फिल्म

● 2025 में बॉक्स ऑफिस पर रही फेल

● इस एक्टर की मूवी ने किया कमाल

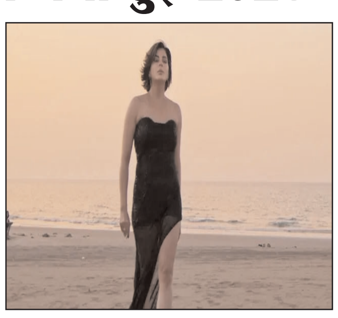

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अक्सर देखा जाता है कि कई फिल्में ऐसी होती हैं जो सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पॉन्स हासिल नहीं कर पाती हैं और बाद में ओटीटी पर आकर कमाल दिखाती हैं। मौजूदा समय में भी एक ऐसी फिल्म है, जिसे बीते साल कमर्शियल तौर पर बिल्कुल भी सफलता नहीं मिली थी। लेकिन फिलहाल ओटीटी पर ये मूवी पूरा कमाल दिखा रही है। 2 घंटे 14 मिनट की एक्शन थ्रिलर फिल्म मौजूदा समय में ओटीटी पर आते ही हिट हो गई है और टॉप ट्रेंडिंग मूवीज की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी मूवी के बारे में चर्चा की जा रही है।

ओटीटी पर छाई ये फ्लॉप फिल्म

जिस फिल्म के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, उसे पिछले साल 2025 में फरवरी के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म का बॉक्स ऑफिस क्लैश सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान की मूवी लवयापा के साथ हुआ था। बेशक ये फ्लॉप फिल्म लवयापा से कमाई करने में आगे रही, लेकिन ओवरऑल इसे फ्लॉप करार दिया गया था। दरअसल यहां चर्चा हिमेश रेशमिया स्टारर बैडएस रवि कुमार की जा रही है। बीते वीकेंड पर हिमेश की बैडएस रवि कुमार को एक साल के लंबे इंतजार के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है। फिल्म बेशक कमर्शियल तौर पर फिसड्डी रही। लेकिन ओटीटी पर आते ही इसकी किस्मत पूरी तरह से बदल गई है और अब ये मूवी जियो हॉटस्टार पर मस्ट वॉच बन चुकी है।

फिलहाल बैडएस रवि कुमार टॉप-5 मूवीज में ट्रेंड कर रही है और चौथे स्थान पर बरकरार है। इससे ये साफ जाहिर होता है कि हिमेश रेशमिया की बैडएस रवि कुमार ओटीटी पर ऑडियंस की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और लोग इसे धड़ल्ले से देखे रहे हैं।

इन सीरीज और मूवीज से आगे है बैडएस रवि कुमार

मौजूदा समय में बैडएस रवि कुमार ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जिन फिल्म और वेब सीरीज से आगे चल रही है, उनमें- चिरैया (वेब सीरीज), संगमरमर (वेब सीरीज), काइन (वेब सीरीज), किस किसको प्यार करूं 2 (मूवी) जैसे कई थ्रिलर के नाम शामिल हैं। इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि हिमेश की मूवी को लेकर फैंस में काफी क्रेज बना हुआ है। र जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने के लिए कर्मचारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों के लिए सरकारी सहायता की मांग की है। तूफान के बाद स्थिति को सामान्य करने के लिए स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

सिलापथार के दो युवकों ने बॉडी बिल्डिंग में चमके राष्ट्रीय स्तर पर

असम धेमाजी। भारतीय बॉडी बिल्डिंग एंड फिटनेस फेडरेशन (आईबीएफएफ) ने गत 13 अप्रैल में बिहार के बुद्धगया में आयोजित मिस्टर बॉडी बिल्डिंग एंड फिटनेस चैंपियनशिप में सिलापथार के दो युवाओं संतोष यादव और मानक डेका ने बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। सिलापथार के स्वर्गीय शंकर यादव के पुत्र संतोष यादव ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वही सिलापथार बाम गांव के ज्योतिष डेका के पुत्र मानक डेका ने इसी प्रतियोगिता के पुरुषों के 85 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सक्षम हुए। सिलापथार के दो युवकों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जीत हासिल के खबर से इलाके में खुशी के माहौल है। दोनों युवा अपनी उपलब्धियों से उत्साहित हैं और आने वाले दिनों में इंटरनेशनल लेवल के कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने के लिए खुद को तैयार में लगे हुए हैं।

न एसी न डीसी निगम साउथ जोन रहा ठप, शिकायत लेकर फरियादी परेशान

● शाहदरा साउथ जोन में उपायुक्त-सहायक उपायुक्त अनुपस्थित।

● प्रशासनिक कार्य ठप, शिकायतकर्ता समाधान को भटके।

● जनसमस्याओं के समाधान हेतु तत्काल अधिकारी तैनाती की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। नगर निगम के शाहदरा साउथ जोन में इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती नजर आ रही है। बृहस्पतिवार को जोन कार्यालय पहुंचे फरियादी अपनी शिकायतों के समाधान के लिए भटकते रहे, क्योंकि वहां न तो उपायुक्त मौजूद थे और न ही सहायक उपायुक्त। दोनों प्रमुख पदों के खाली रहने से आम लोगों को अपनी समस्याओं को लेकर इधर-उधर भटकना पड़ा।

उपायुक्त डब्ल्यूपी सिंह 10 दिन के अवकाश पर

जानकारी के अनुसार, जोन के उपायुक्त डब्ल्यूपी सिंह 10 दिन के अवकाश पर हैं। वहीं सहायक उपायुक्त आदित्य सिंह अपने मूल कैडर में वापस लौट गए हैं। अवकाश पर जाते समय उपायुक्त ने कार्यभार सहायक उपायुक्त को सौंपा था, लेकिन उनके भी कैडर में वापस जाने से जोन का कामकाज अधर में लटक गया है। शिकायत लेकर पहुंचे लोगों ने बताया कि घंटों इंतजार के बावजूद उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

निगम कार्यालय पहुंचे अमित कुमार ने कहा कि पहले से ही क्षेत्र में सफाई, अवैध अतिक्रमण और आवारा पशुओं से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में अधिकारियों की अनुपस्थिति हालात को और गंभीर बना सकती है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि जिम्मेदार अधिकारियों के बिना शिकायतों का समय पर समाधान संभव नहीं है। इस स्थिति को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि जब जोन में शीर्ष अधिकारी ही मौजूद नहीं हैं, तो जनता की समस्याओं का समाधान किसके भरोसे होगा। लोगों ने जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था कर अधिकारियों की तैनाती की मांग की है, ताकि जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके।